Seat No. : _____

KB-101-H

March-2014

F.Y.B.Com. (Annual Pattern)
Financial Accounting (General)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

1. अहमदाबाद के श्री कानजीभाई ने धोड़का के धनजीभाई पर ₹ 600 की लागत कीमत पर एक पेटी जयश्री-टी की 2000 पेटियाँ, प्रति पेटी ₹ 800 की बीजक कीमत पर आदत से बेचेने को भेजी । उसने भाटक तथा गाड़ी भाड़ा के ₹ 20,000 तथा अन्य खर्चे के ₹ 4,000 चुकाए । माल मिलते ही धनजीभाई ने ₹ 2,50,000 का चेक कानजीभाई पर अग्रिम भुगतान के रूप में भेज दिया ।

धनजीभाई ने वर्ष के अंत में जानकारी दी कि 800 पेटियाँ, प्रति पेटी ₹ 800 के भाव से नगद बेची । 1000 पेटियों को प्रति पेटी ₹ 900 के हिसाब से उधार में बेची और बाकी की स्वयं उपयोग के लिए प्रति पेटी ₹ 880 के हिसाब से रख लीं । उन्होंने ₹ 6,000 गोडाउन भाड़ा तथा ₹ 2,000 विक्रय खर्च के रूप में चुकाए । वह कुल बिक्री का 5% की दर से सामान्य आढ़त और 2% के हिसाब से असामी आढ़त प्राप्त करने का हकदार है । उन्होंने ₹ 20,000 का अशोध्य ऋण बट्टे खाते में ले लिया और आढ़त माल की कानजीभाई को रकम चुकाते हुए चेक भेज दिया ।

उपरोक्त विवरण के आधार पर श्री कानजीभाई के चोपड़े में आढ़त माल खाता तथा आढ़तिए (धनजीभाई) का खाता तैयार कीजिए । **14**

अथवा

बारेजा के ब्रिजमोहन तथा कलोल के कृष्णकांत 'इंडिया गेट' बासमती चावल की खरीद बिक्री की समानअंश में लाभ-हानि बांटने के हेतु से एक संयुक्त साहस में जुड़े । इस उद्देश्य से उन्होंने बैंक में एक संयुक्त खाता खुलवाया, जिसमें ब्रिजमोहन ने ₹ 3,50,000 तथा कृष्णकांत ने ₹ 4,00,000 जमा कराये । उन्होंने धंधे के सभी रोकड़ व्यवहारों को संयुक्त बैंक खाते से करना निश्चित किया । उनके व्यवहार निम्नानुसार रहे । **14**

ब्रिजमोहन ने ₹ 3,00,000 का माल खरीदा और लारी भाड़ा ₹ 12,000 तथा अन्य खर्च ₹ 2,000 चुकाया ।

कृष्णकांत ने यह माल ₹ 4,20,000 में बेचा और बिक्री तथा अन्य खर्च के ₹ 9,000 चुकाए ।

कृष्णकांत ने ₹ 2,00,000 का माल खरीदा और ₹ 10,500 लारी भाड़ा तथा अन्य खर्च ₹ 1,500 चुकाया ।

ब्रिजमोहन ने इस माल का 90% माल ₹ 2,70,000 में बेचा । बिक्री खर्च का ₹ 6,000 चुकाया । ब्रिजमोहन ने बाकी माल ₹ 20,000 में खरीद लिया ।

कृष्णकांत को उसके द्वारा किए बिक्री का 5% कमीशन दिया जाना है । जबकि ब्रिजमोहन को उसके द्वारा इस धंधे हेतु दिए गए मकान पर कुल ₹ 24,000 मकान भाड़ा का दिया जाना है । तमाम हिसाबों का निपटारन कर दिया गया है । उपरोक्त विवरण के आधार पर तैयार कीजिए ।

(1) संयुक्त साहस खाता

(2) संयुक्त बैंक खाता

(3) दोनों भागीदारों के पूँजी खाते

2. मेसर्स संगम इलेक्ट्रॉनिक्स की एक शाखा दहेगाम में है । मुख्य ऑफिस शाखा को मूल कीमत पर 20% लाभ चढ़ाकर कीमत पर माल भेजती है । शाखा नकद तथा उधार बिक्री करने के लिए अधिकृत है । शाखा के सभी खर्च मुख्य ऑफिस से चुकाए जाते हैं । फुटकर खर्च के लिए मुख्य ऑफिस शाखा को पेटी-कैश भेज देती है । शाखा प्राप्त रोकड़ का दैनंदिन मुख्य ऑफिस के बैंक खाते में जमा कर देती है । **14**

ता. 31-3-13 को पूर्ण होते वर्ष में शाखा का विवरण नीचे दिए अनुसार है :

(1) 1-4-2012 की बकाया :

स्टॉक (बीजक भाव)	₹ 72,000	चुकाने को बाकी वेतन	₹ 2,600
देनदार	₹ 50,000	फर्नीचर	₹ 20,000
पेटी-कैश	₹ 1,500		

(2) वर्ष दरम्यान के व्यवहार (2012-13)

शाखा को भेजा गया माल (बीजक कीमत)	₹ 3,60,000
शाखा ने वापस भेजा माल (बीजक कीमत)	₹ 12,600
शाखा को भेजा गया फर्नीचर (1-9-2012)	₹ 12,000
रोकड़ बिक्री	₹ 32,500
देनदारों से प्राप्त रोकड़	₹ 4,75,400
देनदारों द्वारा वापस किया गया माल (शाखा को)	₹ 5,600
देनदारों को दिया कमीशन	₹ 11,700
अशोध्य ऋण	₹ 4,200

(3) मुख्य ऑफिस की तरफ से प्राप्त रोकड़ :

मजदूरी खर्च	₹ 18,300
वेतन खर्च	₹ 42,000
भाड़ा खर्च	₹ 6,000
बीमा प्रीमियम	₹ 2,400
पेटी कैश	₹ 3,000
	71,700

(4) ता. 31-3-2013 के रोज बाकियाँ

स्टॉक (बीजक कीमत)	₹ 54,000	पेटी कैश	₹ 600
देनदार	₹ 62,500	भुगतान हेतु बाकी वेतन	₹ 3,200

(5) फर्नीचर पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास निकालिए । शाखा ने मुख्य ऑफिस के सूचना अनुसार माल की बिक्री की है ।

आपको मुख्य ऑफिस के चोपड़े में ता. 31-3-2013 के दिन पूरे हुए वर्ष के लिए शाखा का खाता तैयार करना है । आवश्यक गणनाएँ दर्शाएँ ।

अथवा

श्री जसवंत अपने हिसाबों को एक इन्द्राज (सिंगल इन्ट्री) पद्धति अनुसार रखते हैं । नीचे दिए गए विवरण के आधार पर ता. 31-3-13 को पूर्ण हो रहे वर्ष का उनका व्यापार खाता, नफा-नुकसान खाता तथा 31-3-13 की बेलेंस शीट तैयार करनी हैं : **14**

(1) ता. 1-4-12 की ता. पर बाकियाँ

आरंभ का स्टॉक	₹ 60,000	फर्नीचर	₹ 12,000
देनदार	₹ 1,20,000	रोकड़ बाकी	₹ 40,000
लेनदार	₹ 55,000	प्राप्त हुँडियाँ	₹ 10,000
यंत्र	₹ 1,60,000	देय हुँडियाँ	₹ 7,000

(2) वर्ष दरम्यान रोकड़ लेन-देन :

	₹		₹
देनदारों से प्राप्त रोकड़	2,40,000	वेतन भुगतान किया	24,000
रोकड़ बिक्री	1,00,000	प्राप्त हुँडियों की प्राप्तियाँ	40,000
भाड़ा चुकाया	12,000	देय हुँडियों का भुगतान	18,000
सामान्य खर्चे चुकाए	30,000	फर्नीचर की खरीदी (1-10-12)	8,000
आहरण	10,000	मजदूरी खर्च	4,000
लेनदारों को चुकाया	1,20,000	(भाटक) गाड़ी भाड़ा तथा परिवहन खर्च	6,000
रोकड़ खरीदी	40,000		

(3) अन्य लेन देन (व्यवहार) :

	₹		₹
देनदारों को बट्टा दिया	8,000	बिक्री वापस हुए	6,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	6,000	खरीदी वापस हुए	3,000

(4) ता. 31-3-2013 की बाकियाँ :

	₹		₹
अंतिम स्टॉक	80,000	फर्नीचर	20,000
देनदार	1,60,000	देनदार	80,000
प्राप्य हुँडियाँ	30,000	देय हुँडियाँ	17,000

(5) अतिरिक्त विवरण :

(1) यंत्रों पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास (घसारा) का प्रावधान कीजिए ।

(2) फर्नीचर पर वार्षिक 6% मूल्यह्रास (घसारा) का प्रावधान कीजिए ।

(3) पूँजी पर वार्षिक 10% ब्याज की गणना कीजिए ।

3. नयन, अजय तथा संजय क्रमश: 3:2:1 के प्रमाण में नफा नुकसान बांटते भागीदार थे । उनकी फर्म की ता. 31-3-2012 की बेलेंस शीट निम्नानुसार है : **14**

बेलेंस शीट

देनदारी		**₹**	**परिसम्पत्तियाँ**		**₹**
पूँजी खाता :			भूमि-मकान		1,60,000
नयन	2,00,000		यंत्र		1,20,000
अजय	1,40,000		स्टॉक		40,000
संजय	20,000	3,60,000	देनदार	1,00,000	
अनामत निधि		48,000	ऋण अशोध्य	8,000	92,000
विविध लेनदार		1,92,000	रोकड़ बेलेंस		20,000
			नफा-नुकसान खाता		1,68,000
		6,00,000			**6,00,000**

उक्त तिथि पर फर्म का विलय किया गया । विलय से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :

(1) अजय ने यंत्रों को ₹ 60,000 की कीमत में खरीदा

(2) अन्य परि सम्पत्तियाँ से नीचे दिए अनुसार रकम मिली :

	₹
जमीन-मकान	1,72,000
स्टॉक	48,000
देनदार	88,000

(3) विविध लेनदारों को उनकी बाकियों के हिसाब से ₹ 1,80,000 चुका दिए ।

(4) चोपड़े में दर्ज नहीं की गई ₹ 12,000 की एक देनदारी चुका दी गई ।

(5) विलय का खर्च ₹ 4,000 चुकाया ।

(6) संजय दिवालिया हो गया तथा उसकी व्यक्तिगत सम्पत्ति में से कुल ₹ 3,200 हासिल हुए ।

उपरोक्त विवरण के आधार पर "गार्नर Vs मूरे" के फैसले के अनुसार फर्म के चोपड़े तैयार कीजिए :

(1) मालमिलकत निकाल खाता

(2) भागीदारों का पूँजी खाता

(3) रोकड़ खाता

अथवा

दिलीप तथा राज 2:1 के प्रमाण में नफा-नुकसान वहन करने वाले एक फर्म के दो भागीदार हैं । उनकी फर्म का ता. 31-3-12 को तैयार बेलेंस शीट नीचे दिए अनुसार है : **14**

बेलेंस शीट

देनदारियाँ		₹	परिसम्पत्तियाँ	₹
पूँजी खाता :			मकान	50,000
दिलीप	51,000		यंत्र	37,000
राज	36,000	87,000	देनदार	28,000
अनामत निधि		15,000	स्टॉक	22,000
लेनदार		39,000	रोकड़ बाकी	4,000
		1,41,000		**1,41,000**

ता. 1-4-12 को उन्होंने अपना धंधा एक नई आरंभ हुई 'रस रंजन लिमिटेड' को बेच देना निश्चित किया । कंपनी में कमी की परिसम्पत्तियों को नीचे दर्शायी कीमत पर खरीद लिया ।

मकान : ₹ 55,000, यंत्र ₹ 34,000, देनदार ₹ 25,000, स्टॉक ₹ 20,000, ख्याति ₹ 27,000 कम्पनी ने खरीद कीमत पर ₹ 10 का एक ऐसे 12,000 इक्विटी शेयर पूर्ण भरपाई तथा बकाया रकम रोकड़ में चुकायी । फर्म ने लेनदारों को रोकड़ से देनदारी चुका दी । कम्पनी से मिले शेयर दिलीप और राज के बीच नफा नुकसान के प्रमाण में बाँटे गए और बाकी देय रकम फर्म ने उनको रोकड़ में चुका दी ।

उपरोक्त विवरण के आधार पर फर्म के चोपड़े में तैयार कीजिए :

(1) मालमिलकत निकाल खाता

(2) भागीदारों का पूँजी खाता

(3) रोकड़ खाता

(4) रस रंजन कम्पनी लिमिटेड का खाता

4. (a) श्री धनसुख लाल की दुकान में ता. 31 अगस्त 2013 को आग लग गई और अधिकांश भाग माल का स्टॉक नष्ट हो गया । बचालिए गए माल की कीमत ₹ 11,000 थी । **10**

2012 के हिसाबी वर्ष के लिए आरम्भिक स्टॉक ₹ 50,000, अंतिम स्टॉक ₹ 1,01,000, खरीदी ₹ 8,62,000 तथा बिक्री ₹ 13,50,000 रही ।

ता. 1-1-2013 से ता. 31-8-2013 तक खरीदी तथा बिक्री क्रमश: ₹ 5,80,000 तथा ₹ 10,08,000 था ।

ता. 31-12-2012 को स्टॉक की कीमत का आकलन करते समय ₹ 12,000 की लागत कीमत का नुकसान हुआ स्टॉक ₹ 10,000 आकलित किया गया था । इस स्टॉक को माह फरवरी 2013 के दरम्यान ₹ 8,000 में बेचा गया था । इस व्यवहार के अलावा ता. 1-1-2013 से 31-8-2013 की समयावधि में सकल लाभ की दर एकसमान रही थी । आग के कारण स्टॉक के दावे की गणना कीजिए ।

(b) रोकड़ की हफ्तावार वितरण के अंत में "अतिरिक्त पूंजी की पद्धति" अथवा "महत्तम हानि की पद्धति" के संबंध में संक्षेप टिप्पणी लिखिए । **4**

अथवा

(a) मितुल, रितुल व केतुल क्रमश: 2:2:1 के प्रमाण से नफा-नुकसान वहन करने वाले भागीदार हैं । उनकी फर्म की ता. 31-3-2012 के रोज की बेलेंस शीट नीचे अनुसार है : **10**

बेलेंस शीट

देनदारी		₹	परिसम्पत्तियाँ	₹
पूँजी खाता :			स्थायी सम्पत्ति	1,00,000
मितुल	76,000		स्टॉक	60,000
रितुल	48,000		देनदारी	28,000
केतुल	36,000		रोकड़ बाकी (शेष)	2,000
लेनदारी		1,60,000		
		30,000		
		1,90,000		**1,90,000**

सम्पत्ति की रकम किश्तों में प्राप्त हुई तथा प्रमाणीत पूँजी की पद्धति से बांटी गयी थी । किश्तों की प्राप्ति निम्नानुसार हुई थी ।

		₹
(1)	ता. 25-6-2012	38,000
(2)	ता. 30-7-2012	60,000
(3)	ता. 27-8-2012	80,000

अतिरिक्त पूँजी की पद्धति से रोकड़ का हफ्तेवार बाँटना दर्शाता पत्रक तैयार कीजिए ।

(b) "औसत-शर्त" के विषय में संक्षेप टिप्पणी लिखिए । **4**

5. (a) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (**एक**) **4**

(1) पूँजी निवेश खाताबही

(2) माल मिलकत निकाल खाता

(3) विक्रय खाता

(b) निम्न उपप्रश्नों के जवाब में एक से अधिक विकल्प दिए गए हैं । उनमें से सही विकल्प पसंद करें तथा अपनी गणना दर्शायें । (कोई **पाँच**) **10**

(1) असामान्य नुकसान _____ खाते में नामें किया जाता है ।

(a) आढ़तमाल (b) आढ़तिया

(c) बीमा कंपनी (d) सामान्य नफा और नुकसान

(2) संयुक्त साहस के व्यवसाय में बिक्री के एवज में ₹ 3,00,000 के बाँड प्राप्त हुए तथा उन्हें ₹ 3,12,500 में बेच दिया गया हो तो संयुक्त साहस खाते में जमा तरफ कितनी रकम दर्ज होगी ?

(a) ₹ 3,00,000 (b) कुच नहीं (c) ₹ 3,12,500 (d) ₹ 12,500

(3) मुख्य ऑफिस की दृष्टि में शाखा का खाता एक _____ माना जाता है ।

(a) माल मिलकत निकाल खाता (b) आय-व्यय खाता

(c) लेनदार का खाता (d) देनदार का खाता

(4) रोकड़ खरीदी ₹ 6,000, उधार बिक्री ₹ 35,200, रोकड बिक्री ₹ 8,000, अंतिम स्टॉक ₹ 3,000 आरंभिक स्टॉक ₹ 5,000 ।

सकललाभ की दर यदि लागत पर 20% हो तो उधार खरीदी की रकम _____ होगी ।

(a) ₹ 7,200 (b) ₹ 35,200 (c) ₹ 26,580 (d) ₹ 28,000

(5) आग से भस्मीभूत स्टॉक ₹ 4,00,000
आग से बचाया गया स्टॉक ₹ 1,00,000
बीमा पॉलिसी की रकम ₹ 3,50,000
बीमा पॉलिसी में औसत शर्त (क्लॉज) है तो इसके आधार पर दावे की रकम _____ होगी ।

(a) ₹ 4,00,000 (b) ₹ 2,45,000 (c) ₹ 2,00,000 (d) ₹ 2,80,000

(6) टेली के हिसाबों में तिथि बदलने के लिए नीचे की Key दबानी चाहिए :

(a) F11 (b) F5 (c) F6 (d) F2